जिस्टर्ड नं 0 ल 0-33/एस 0 एम 0 14.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 23 विसम्बर, 1989/2 पौष, 1911

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय ग्रादेश

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1989

संख्या एम0 एन0 डी0- डैव-सैक्शन/89—क्योंकि श्री परस राम, प्रधान, ग्राम पंचायत बगड़ा-थाच, विकास खण्ड सिराज, जिला मण्डी, हिम्मचल प्रदेश ने पंचायत सभा निधि की धनराशि मु0 2318.00 रुपये प्रपन पास ग्रनाधिकृत रूप से रखे ह जो सरासर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम की उल्लंघना है तथा उन्होंने मभा निधि का छल हरन/दुरुपयोग किया है ;

क्योंकि इन तथ्यों के दिव्यात श्री परस राम, प्रधान, ग्राम पंचायत बगड़ा-थाच, विकास खण्ड सिराज (जंजहर्ली), ने ग्रपने पद का दुरुपयोग किया है जिस कारण उनका प्रधान जैसे पद पर बने रहना जनहिताय में नहीं है।

2031-राजपन्न/89-23-12-89---1,184.

(2975)

मृत्यं: 1 हपया।

ग्रतः मैं, एस0 के0 जस्टा, ग्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शिक्तयों के ग्रन्तगंत जो मुझ म हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित हैं श्री परस राम, प्रधान, ग्राम पंचायत बगड़ा-थाच, विकास खण्ड सिराज, जिला मण्डी, हि0 प्र0 को ग्रादश देता हूं कि क्यों 7 उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज ग्रधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के ग्रन्तगंत प्रधान पद से निलिम्बित ि ्रं जाए । उनका उत्तर उपरोक्त कारण बतान्नो नोटिस जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर इस कार्यालयं में प्राप्त हो जाना चाहिए श्रन्यथा यह समझा जाएगा कि वह श्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहता ।

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1989

संख्या एम0 एन0 डी 0-डैंब-सैक्शन, 89.—क्योंकि श्री नोक सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत छप्पराहण, विकास खंड गोहर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने पंचायत सभा निधि की धनराशि मु0 3606.35 रुपय अपने पास श्रनाधिकृत रूप से रखे हैं जो सरासर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की उल्लंघना है तथा उन्होंने सभा निधि का छल हरन/दुरुपयोग किया है;

क्योंकि इन तथ्यों के दृष्टिगत श्री नोक सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत छप्पराहण, विकास खण्ड गोहर ने ग्रपने पद का दुरुपयोग किया है जिस कारण उनका प्रधान जैसे पद पर बने रहना जनहितार्थ में नहीं है ।

ग्रतः में, एस 0 के 0 जस्टा, भ्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 क नियम 77 में निहित है थी नोक सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत छप्पराहण, विकास खण्ड मोहर, जिला मण्डी, हि 0 प्र0 को ग्रादेश देता हूं कि क्यों न उन्हें हि 0 प्र0 पंचायती राज श्रिक्षिनियम, 1968 की घारा 54 (1) के भन्तर्गत प्रधान पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर उपरोक्त कारण बताओं नोटिस के जारी होन की तिथि से 15 दिनों क भीतर इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए, भन्यथा यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहता।

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1989

संख्या एम0 एन0 डी0 डेंब-सैक्शन/89.—क्योंकि श्री जय सिंह, प्रधान ग्रामपंचायत कोठुग्रां, विकास खण्ड, धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने पंचायत सभा निधि की धनराशि मुं 0 16285 89 रुपये ग्रपने पास अनाधिकृत रूप से रख हैं जो सरासर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज श्रिधिनियम की उल्लंघना है तथा उन्होंने सभा निधि का छल हरन/दूरपयोग किया है;

क्योंकि इन तथ्यों के दृष्टिगत श्री जय सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कोठुग्रा, विकास खण्ड, धर्मपुर ने ग्रपने पद का दुरुपयोग किया है जिस कारण उनका प्रधान जैसे पद पर बन रहना जनहितार्थ में नहीं है ।

ग्रतः में, एस0 के0 जस्टा, ग्रितिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के ग्रन्तर्गत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित हैं श्री जय सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कोठुग्रां, विकास खण्ड, धर्मपुर, जिला मण्डी, हि0 प्र0 को ग्रादेश देता हूं कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज ग्रिधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के ग्रन्तर्गत प्रधान पद से निलिम्बत किया जाए। उनका उत्तर उपरोक्त कारण बताग्रों नोटिस के जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए, ग्रन्यया यह समझा जाएगा कि वह ग्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहुता।

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1989

संख्या एम 0 एन 0 डी 0-डैव-सैवशन/89. --क्योंकि श्री मोती राम उप-प्रधान, ग्राम पंचायत था चाधार, विकास खण्ड सिराज, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश न पंचायत सभा निधि की धनराशि मुं 0 2619.19 रुपये अपने वास ग्रनाधिकृत रूप से रख ह जो सरासर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम की उल्लंघना है तथा उन्होंने सभा निधि का छल हरन/दुरुपयोग किया है;

क्योंकि इन तथ्यों के दृष्टिगत श्री मोती राम, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत थाचाघार, विकास खण्ड सिराज ने अपने पद का दुष्पयोग किया है जिस कारण उनका उप-प्रधान जैसे पद पर बन रहना जनहितार्थ में नहीं है।

श्रतः मैं, एस 0 के 0 जस्टा, श्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित हैं श्री मोती राम, उपप्रधान, ग्राम पंचायत थाचाधार, विकास खण्ड सिराज (जन्जैहली), जिला मण्डी, हि 0 प्र 0 को श्रादेश देता हूं कि क्यों न उन्हें हि 0 प्र 0 पंचायती राज श्रिधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के अन्तर्गन उप-प्रधान पद ने निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर उपरोक्त कारण वताश्रो नोटिम के जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय में प्रान्त हो जाता चाहिए, अन्यथा यह समझा जाएगा कि वरु भ्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहता।

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1989

संख्या एम0 एन0 डी 0-डैन-सैनशन/89.—स्योंकि श्री इन्द्र सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत सद्ध्याणा, विकास खण्ड रिवालसर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने पंचायत सभा निधि की धनराशि मु0 132.90 रुपये अपने पास प्रनाधिकृत रूप से रखे हैं जो सरासर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की उल्लंघना है तथा उन्होंने सभा निधि का छल हरन/टुकपयोग किया है;

क्योंकि इन तथ्यों के दृष्टिगत श्री इन्द्र सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत सद्धयाणा, विकास खण्ड रिवालसर ने प्रपने पद का दुष्पयोग किया है जिस कारण उनका प्रधान जैसे पद पर बने रहना जनहितार्थ में नहीं है।

ग्रत: मैं, एस0 के0 जस्टा, ग्रतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के ग्रन्तर्गत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित हैं श्री इन्द्र सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत सद्धयाणा, विकास खण्ड रिवालसर, जिला मण्डी, हि0 प्र0 को ग्रादेश देता हूं कि क्यों न उन्हें हि0 प्र0 पंचायती राज ग्राधिनियम, 1968 की धारा 54(1) के ग्रन्तर्गत प्रधानपद में निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर उपरोक्त कारण बताग्री नोटिस के जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय में प्राप्त हो जाना चाहिए, ग्रन्यथा यह समझा जाएगा कि वह ग्रपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहता।

मण्डी, 14 दिसम्बर, 1989

संख्या एम0 एन0 डी0-डैव-सँक्शन/89—क्योंकि श्री दुर्गा सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत निचला लोट, विकास खण्ड रिवालसर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने पंचायत सभा निधि की धनराशि मु० 861.50 रुपये ग्रपने पास अनाधिकृत रूप से रखे हैं जो सरासर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज ग्रिधिनियम की उल्लंघना है तथा उन्होंने सभा निधि का छल हरन/द्रुपयोग किया है;

क्योंकि इन तथ्यों के दृष्टिगत श्री दुर्गा सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत निचला लोट, विकास खण्ड रिवालसर ने ग्रपने पद का दृष्पयोग किया है जिस कारण उनका प्रधान जैसे पद पर बने रहना जनहिताथ में नहीं है।

ग्रतः मँ, एस० के जस्टा, श्रितिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के ग्रन्तंगत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निहित हैं श्री दुर्गी सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत निचला लोट, विकास खण्ड रिवालसर, जिला मण्डी, हि० प्र० को ग्रादेश दता हूं कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज श्रिधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के ग्रन्तगंत प्रधान पद से निलम्बित किया जाए । उनका उत्तर उपरोक्त कारण बतायों नोटिस के जारी होने की तिथि से 15 दिनों के भीतर इस कार्यालय में प्राप्त ही जाना चाहिए, ग्रन्यथा यह समझा जाएगा कि वह ग्रपने पक्ष म कुछ नहीं कहना चाहता ।

एस ० के० जस्टा, ग्रतिरिक्त उपाय्क्त, मण्डी, जिला मण्डी, हि० प्र०।

पंचायती राज विभाग

ग्र**धिस्**चना

शिमला-2, 15 दिसम्बर, 1989

संख्या पी 0सी 0एच0 -एच 0बी 0(6)6/77-I.—इस कार्य लय की अधिसूचना संख्या पी 0सी 0एच 0-एच 0बी 0 (6)6/77-I, दिनांक 19-10-88 है कम में राष्यपाल, हिमाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा श्रायोग से विचार-विमर्श करने के उपरान्त श्री लालमन गुप्ता, उप-निदेशक, पंचायती राज की तदर्थ नियक्ति को 31-12-1989 तक श्रथवा नियमित पदोन्नित तक जो भी पहले हो बढ़ाने का सहर्ष ग्रादश देते हैं।

यह प्रबन्ध बिल्कुल ग्रस्थाई है तथा इसके फलस्वरूप किसी तरह का लाभ वरिष्ठता तथा ग्रन्य सेवा मामलों म नहीं मिलेगा।

> म्रादेश द्वारा, हस्ताक्षरित/-सचिव।